भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 483

जिसका उत्तर दिनांक 07.12.2023 को दिया जाना है

स्वदेशी तकनीक से विकसित परमाणु ऊर्जा रिएक्टर

483 # श्रीमती गीता उर्फ चन्द्रप्रभा :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत के पहले स्वदेशी रूप से विकसित परमाणु ऊर्जा रिएक्टर ने सफलतापूर्वक वाणिज्यिक संचालन शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो यह परमाणु ऊर्जा रिएक्टर किस प्रदेश में स्थित है तथा इसकी कुल क्षमता कितनी है;

(ग) क्या भविष्य में देश में अन्य स्थानों पर स्वदेशी रूप से परमाणु ऊर्जा रिएक्टर को विकसित करने की योजना है; और

(घ) यदि हां तो भविष्य में कुल कितने नए परमाणु ऊर्जा रिएक्टर स्वदेशी तकनीक से विकसित करने की योजना बनाई गई है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) व (ख) जी, हां, भारत के 700 मेगावाट क्षमता के पहले स्वदेशी रिएक्टर, काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना (केएपीपी-3-700 मेगावाट) की यूनिट-3 ने जून 2023 में सफलतापूर्वक वाणिज्यिक प्रचालन शुरू कर दिया है। यह आज तक का सबसे बड़ा स्वदेशी रिएक्टर है और गुजरात के काकरापार में स्थित है। यह 1400 मेगावाट की कुल क्षमता वाली केएपीपी - 3 व 4 परियोजना की द्वि यूनिटों में से एक है।

(ग) व (घ) जी, हां। गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और कर्नाटक राज्यों में स्थित प्रत्येक 700 मेगावाट के पंद्रह और स्वदेशी रिएक्टर कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इसके अतिरिक्त, तमिलनाडु के कल्पाक्कम में भाविनी द्वारा 500 मेगावाट के एक और स्वदेशी रिएक्टर का कमीशनन प्रगत चरण में है।

* * * * *